Scanned with OKEN Scanner

RAVEENA PRAKASHAN
Ganga Vihar, Delhi - 110094

•

Call us :
+ 91 - 8700766619, 9958472570

•

Mail us :
Dikshaprakashan@gmail.com

•

ALL RIGHT RESERVED

•

First Edition: 2020

Rs.200.00

•

For Book Publishing Guidance
Call us : 08700766619,09958472570
Or mail us: Dikshaprakashan@gmail.com

मुद्रक: विमल प्रेस, दिल्ली
आवरण– अमन चक
कापीराइट– डॉ.नरेन्द्र मोहन अवस्थी

•

• नव युग • 2

Scanned with OKEN Scanner

G1637

नव युग

(लघुकथा-संग्रह)

डॉ. नरेन्द्र मोहन अवस्थी

रवीना प्रकाशन, दिल्ली-110094

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रम

क्रमांक	रचनाएँ	पृष्ठ क्रमाँक
01	सरल	09
02	प्रश्न	10
03	जिद	11
04	कर्तव्य	12
05	मानसिकता	13
06	बड़ा कौन	14
07	स्वभाव	15
08	स्वभाववस	16
09	उदारता	17
10	सहयोग	18
11	आगे आओ	19
12	सृजन	20 – 21
13	आत्मीय सम्बन्ध	22 – 23
14	निष्कर्ष	24– 25
15	दर्शन	26 – 27
16	शल्य	28 – 29
17	पढ़े–कढ़े	30 – 32
18	ज्योतिषी का मनोवैज्ञानिक इलाज	33 –34
19	दुस्साहस	35 – 36
20	दृष्टिकोण	37 – 38
21	मेरे लिये ही	39 – 40
22	प्रेम से	41 – 42
23	संयोग	43 – 45
24	अन्धी दौड़	46 – 47

Scanned with OKEN Scanner

G1637

25	तुलना	48 – 49
26	प्रेम और वासना	50 – 51
27	धारणायें	52 – 54
28	नवयुग	55 – 56
29	भूख	57 – 59
30	मानवता	60 – 62
31	बोलचाल	63 – 65
32	प्रार्थना	66 – 68
33	धर्म को धन्धो	69 – 71
34	संदेश	72 – 74
35	चक्रों की संकल्पना	75 – 77
36	कौआ गोष्ठी	78 – 80
37	मूल संदेश	81 – 82
38	कर्मफल	83 – 84
39	मेरे	85 – 86
40	प्रतिध्वनि	87 – 90
41	जातीय धर्मान्धता	91– 92
42	गुरू मन्त्र	93 – 93
43	न्याय	94 – 97
44	नागरिक अभिनन्दन	98 – 100
45	प्यार	101 – 106
46	सोच	107 – 108

Scanned with OKEN Scanner

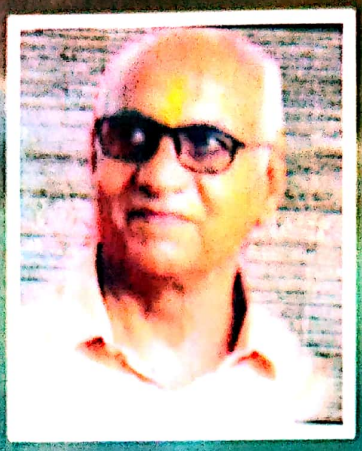

डॉ. नरेन्द्र मोहन अवस्थी

डॉ. नरेन्द्र मोहन अवस्थी ने विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन से बी.ए. एवं एम.ए. की प्रावीण्य सूची में क्रमशः चतुर्थ एवं प्रथम स्थान प्राप्त कर, भूगोल विषय के अंतर्गत अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा से पी.एचडी. की उपाधि प्राप्त की। प्राध्यापक पद पर रहते हुये अपने स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर की पर्यावरण, संसाधन, भौतिक तथा प्रादेशिक भूगोल की 18 पुस्तकों का प्रणयन किया। इन कृतियों के लेखन के फलस्वरूप मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा भोपाल द्वारा आपको वर्ष 2011 में 51 हजार की धनराशि के साथ डॉ. शंकर दयाल शर्मा सृजन सम्मान से अलंकृत किया गया। श्रेष्ठ अध्यापन हेतु आपको आदिम जाति कल्याण विभाग भोपाल म.प्र. भोपाल द्वारा सम्मानित किया गया। शिक्षण कार्य के साथ एन.सी.सी. अधिकारी के रूप में श्रेष्ठ कतर्व्य निर्वहन हेतु भी सम्मानित किया गया।

डॉ. अवस्थी, शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय टीकमगढ़ के प्राचार्य पद से निवृत्ति पश्चात् वर्तमान में सन्त रामदास स्नातकोत्तर महाविद्यालय टीकमगढ़ के प्राचार्य पद पर निःशुल्क सेवारत हैं।

शासकीय सेवा निवृत्ति के पश्चात् आपकी दो कहानी संग्रह 'पुण्यफल' एवं 'समर्पिता' तथा नाटक 'प्रेम के रंग' प्रकाशित एवं रंगमंच पर प्रदर्शित हो चुके हैं। चौथी कृति लघु कथा कहानी संग्रह आपके हाथों में समर्पित कर प्रसन्नता अनुभव करता हूँ।

इन कृतियों के सृजन के संदर्भ में, बुन्देलखण्ड हिन्दी साहित्य संस्कृति विकास मंच, सागर द्वारा सम्मान पत्र 2019 प्रदान किया। इनकी चौथी कृति 'नवयुग' लघु कथा कहानी संग्रह आपके हाथों में है।

पंडित. हरिविष्णु अवस्थी
अध्यक्षश्री वीरेन्द्र केशव परिषद
टीकमगढ़

RP
RAVEENA PRAKASHAN
RAVEENA PRAKASHAN OPC PVT LTD
For Book Publishing Guidance
Call us +91- 8700774571, 9205127294
+91- 8700766619, 9958472670
Mail us : raveenaprakashan@gmail.com

Available on amazon

ISBN9789389630824
9 789389 630824
Rs.200.00